>

Title: Discussion on the statement made by the Minister of Dence on 06.08.2013 regarding Government of India's Response and Measures Taken for Relief and Reconstruction in the Wake of Natural Disaster in Uttarakhand.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): सभापति महोदय, हमने सोचा था कि संसद का मानसून सत्र उत्तराखंड की आपदा पर चर्चा करते शुरू होगा।...(व्यवधान) क्योंकि सत्र के अंतराल में ये सबसे बड़ी विपत्ति देश पर आई थी।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please go to your places.

श्रीमती सुषमा स्वराज : चाहिए तो यह था कि संसद सबसे पहले इसका संज्ञान लेती और इस पर हम चर्चा शुरू करते, संवेदना का तकाजा तो यही था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।...(व्यवधान) 5 अगस्त को संसद का सत्र शुरु हुआ।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please go to your places.

श्रीमती सुषमा स्वराज : आज 30 अगस्त है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आज भी यह चर्चा मैं कर पाऊंगी, जिस तरह का दृश्य सदन में उपस्थित हो रहा है।...(व्यवधान) जब तक सदन व्यवस्थित रूप से नहीं चलेगा, तब तक इतने संवेदनशील मामले को मैं कैसे रखूं? इसलिए आप हाउस को व्यवस्थित करिए तो मैं बोलूंगी।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You may continue next time.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet on Monday, the 2nd September, 2013 at 11.00 a.m.

15.02 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, September 2, 2013/Bhadrapada 11, 1935 (Saka).

---

* Due to continuous interruptions in the House Starred Questions could not be taken up for oral answers. Therefore, these Starred Questions were treated as Unstarred Questions.

* Not recorded.

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table.

* Not recorded.